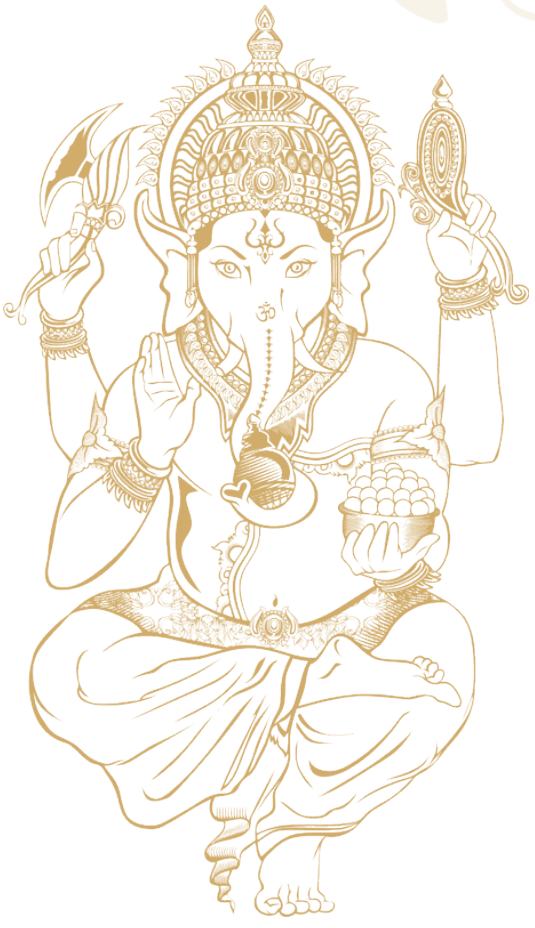

Mr. Mayur Panchariya

Ms. Suhani Mishra

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119285902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/06/2000	जन्म तिथि	27-28/01/2001
बुधवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 15:04:00	जन्म समय	02:55:00 घंटे
घटी 23:07:56	जन्म समय(घटी)	49:33:55 घटी
India	देश	India
Aurangabad	स्थान	Ujjain
19:52:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
75:22:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:28:32	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:48:49	सूर्योदय	07:08:37
19:05:47	सूर्यास्त	18:10:28
23:51:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:04

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 6वर्ष 7मा 27दि	29:31:45	कन्या	लग्न	वृश्चि	12:37:53	गुरु 15वर्ष 5मा 21दि
शुक्र	23:04:45	वृष	सूर्य	मक	14:09:00	शनि
03/02/2007	00:38:58	सिंह	चंद्र	कुंभ	20:26:15	20/07/2016
03/02/2027	29:59:27	वृष	मंगल	तुला	26:26:03	21/07/2035
शुक्र 05/06/2010	16:56:26	मिथु	बुध	कुंभ	02:33:23	शनि 24/07/2019
सूर्य 05/06/2011	01:06:38	वृष	गुरु	वृष	07:19:51	बुध 02/04/2022
चन्द्र 03/02/2013	21:58:45	वृष	शुक्र	मीन	00:49:09	केतु 12/05/2023
मंगल 05/04/2014	00:04:19	वृष	शनि	वृष	00:11:58	शुक्र 11/07/2026
राहु 05/04/2017	01:21:00	कर्क	राहु व	मिथु	21:29:31	सूर्य 23/06/2027
गुरु 05/12/2019	01:21:00	मक	केतु व	धनु	21:29:31	चन्द्र 21/01/2029
शनि 03/02/2023	26:53:49	मक व	हर्ष	मक	26:13:17	मंगल 02/03/2030
बुध 04/12/2025	12:28:52	मक व	नेप	मक	12:27:26	राहु 06/01/2033
केतु 03/02/2027	17:31:45	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:44:29	गुरु 21/07/2035

लग्न-चलित

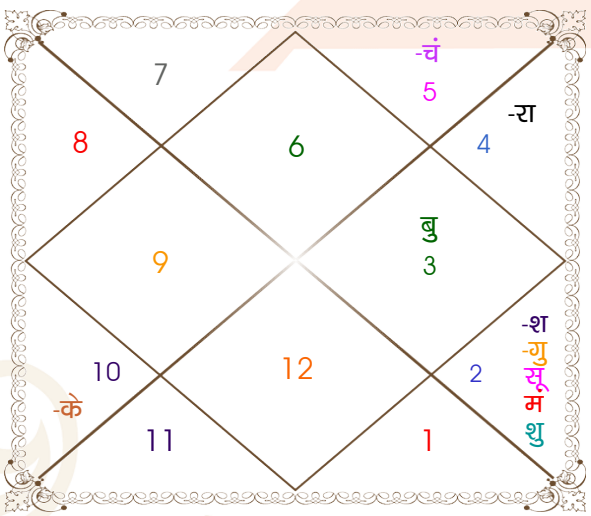

लग्न-चलित

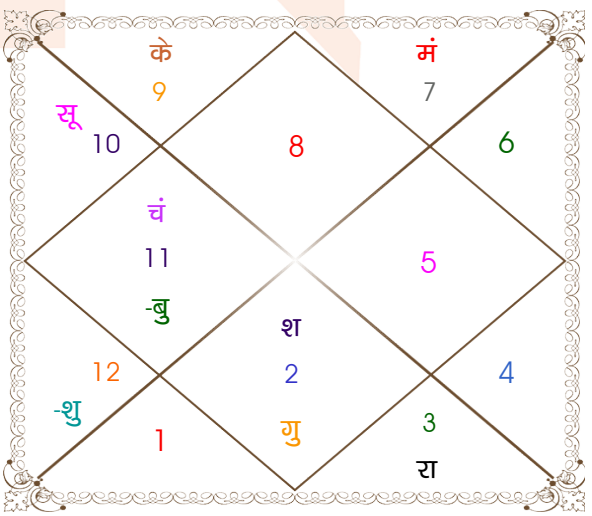

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण् डंलनत च्ंदबींतपलं का वर्ग मूषक है तथा डेण्ै नींदप डपींतं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् डंलनत च्ंदबींतपलं और डेण्ै नींदप डपींतं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण् डंलनत च्ंदबींतपलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डेण्ै नींदप डपींतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्ै नींदप डपींतं कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण् डंलनत च्ंदबींतपलं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् डंलनत च्ंदबींतपलं तथा डेण्ै नींदप डपींतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।